BA Part II (H)

Paper III

Dr. Chiranjeev Kr. Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College, Rajnagar

Lecture IV

जनजातियों की विशेषताएं =)

3. बड़ा आकार - अनेक क्षेत्रीय समूहों की तुलना में जनजाति एक बड़े आकार का मानव समूह है। एक-एक जनजाति के सदस्यों की संख्या लाखों में होती है। कुछ जनजातियां ऐसी भी है जिनकी सदस्य संख्या 30 लाख या इससे भी अधिक है।

4. अन्तर्विवाही समूह → अन्तर्विवाही समूह से तात्पर्य है कि प्रत्येक जनजाति के सदस्यों को केवल अपनी जनजाति के अन्दर ही विवाह सम्बन्ध स्थापित करना अनिवार्य होता है। इससे जनजाति की बाहरी समूहों से पृथकता बनी रहती है।

2020-8-17 08:59

5. सामान्य संस्कृति → प्रत्येक जनजाति की अपनी एक पृथक परन्तु सामान्य संस्कृति होती है तथा प्रत्येक सदस्य को अपनी संस्कृति से सम्बन्धित नियमों का पालन करना अनिवार्य होता है। जनजाति के मुखिया का प्रमुख कार्य भी अपनी सांस्कृतिक स्वरूप को सुदृढ़ बनाये रखना होता है।

6. आर्थिक आत्मनिर्भरता – साधारणतया जनजातियों की एक स्वतंत्र अर्थव्यवस्था होती है। इसका तात्पर्य है कि एक जनजाति के सभी सदस्य अपनी सभी आवश्यकताएँ जंगल के ऊपर ही पूरी कर लेते हैं। सामान्यतः इनके द्वारा उन्हीं कार्यों से आजीविका अर्जित की जाती है जो उनके प्राकृतिक पर्यावरण के अनुकूल होते हैं।

7. एक राजनीतिक इकाई → भारत की सभी जनजातियाँ भारत राष्ट्र का अभिन्न अंग है, लेकिन अपनी परम्परागत संस्कृति के अनुसार अधिकांश जनजातियों में एक स्वतन्त्र राजनीतिक संगठन देखने को मिलता है।

2020-8-18 09:17